gradeup SUPER

Rajasthan RVUNL

Hindi

Top 100 Most Important Questions

Sahi Prep Hai Toh Life Set Hai

www.gradeup.co

1. निम्नलिखित में से किन शब्दों की गणना अव्यय के अंतर्गत की जाती है ?

A. क्रिया शब्द
B. क्रिया विशेषण शब्द
C. विशेषण शब्द
D. सर्वनाम शब्द

Ans. B

Sol. क्रिया-विशेषण अव्यय : - जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता का पता चलता है उसे क्रिया विशेषण कहते हैं। जहाँ पर यहाँ, तेज, अब, रात, धीरे-धीरे , प्रतिदिन , सुंदर , वहाँ , तक , जल्दी , अभी , बहुत आते हैं वहाँ पर क्रियाविशेषण अव्यय होता है।

2. 'दादाजी तीर्थ करने काशी गयी हैं।' वाक्य में 'जी' कौन-सा निपात है ?

A. बलदायक
B. सीमाबोधक
C. स्वीकारार्थक
D. आदरबोधक

Ans. D

Sol. 'जी' आदरबोधक निपात है ।

जो अव्यय शब्द किसी शब्द या पद के पीछे लगकर उसके अर्थ में विशेष बल लाते हैं उन्हें निपात अव्यय कहते हैं। इसे अवधारक शब्द भी कहते हैं। जहाँ पर ही , भी , तो , तक ,मात्र , भर , मत , सा , जी , केवल आते हैं वहाँ पर निपात अव्यय होता है।

3. "रीति के अनुसार काम होना हैं।" प्रतुत वाक्य में उभय विभक्ति अव्यय किस शब्द में हैं ?

A. रीति
B. अनुसार
C. काम
D. होना हैं

Ans. B

Sol. ' अनुसार ' शब्द उभय विभक्ति अव्यय का बोधक है ।

जो अव्यय शब्द विभक्ति रहित और विभक्ति सहित दोनों प्रकार से आते हैं उन्हें उभय विभक्ति कहते हैं। जहाँ पर द्वारा , रहित , बिना , अनुसार आते हैं वहाँ पर उभय विभक्ति होता है।

4. मोहन के पास पाँच लीटर दूध है| इसमें कौनसा अव्यय है?

A. विस्मयादि बोधक
B. समुच्चय बोधक
C. सम्बन्ध बोधक
D. क्रिया विशेषण

Ans. D

Sol. दिए गए वाक्य में क्रिया विशेषण है| क्रिया विशेषण चार प्रकार के होते हैं|

स्थानवाचक, कालवाचक, परिमाणवाचक, रीतिवाचक

दिए गए वाक्य में कितना शब्द का प्रयोग हुआ है जो कि क्रिया विशेषण के रीति वाचक भेद के अंतर्गत आता है| अगर हम वाक्य में कितना शब्द का प्रयोग करके प्रश्न पूंछते हैं और हमें सही जवाव मिल जाता है तो दिए गए वाक्य में परिमाणवाचक क्रिया विशेषण है|

5. क्रिया का वह रूप जिससे यह पता चले कि कार्य बीते हुए समय में हुआ है, कौनसा काल है?

A. भूत काल
B. वर्तमान काल
C. भविष्यत काल
D. उपरोक्त सभी

Ans. A

Sol. वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के किस रूप का बीते हुए समय में समाप्त होने का बोध होता है, उसे भूतकाल कहते हैं।

भूतकाल के 6 भेद होते हैं।

6. "राधेश्याम जंगल में एक शेर देखेगा।" वाक्य में कौन-सा काल है?

A. अपूर्ण भविष्य काल
B. संभाव्य भविष्य काल
C. सामान्य भविष्य काल
D. आज्ञार्थक भविष्य काल

Ans. C

Sol.

"राधेश्याम जंगल में एक शेर देखेगा।" वाक्य में सामान्य भविष्य काल है। जब वाक्य में सामान्य क्रिया के अंत में एगा , एगी, एंगे आए अर्थात भविष्य में होने वाली क्रिया के सामान्य रूप को सामान्य भविष्यत काल कहते हैं।

जैसे - राधेश्याम जंगल में एक शेर देखेगा।

उपर्युक्त वाक्य में क्रिया भविष्य में सामान्य रूप से काम के होने की सूचना दे रही हैं। अतः ये सामान्य भविष्यत काल की क्रिया है।

7. 'बिल्ली छत से कूद पड़ी' वाक्य में कौन-सा कारक है?

A. अधिकरण कारक
B. कर्म कारक
C. सम्प्रदान कारक
D. अपादान कारक

Ans. D

Sol. जिस संज्ञा से अलग होने का भाव प्रकट हो उसे 'अपादान कारक' कहते हैं। जैसे - 'बिल्ली छत से कूद पड़ी' बिल्ली का छत से गिरने का बोध हो रहा है अतः उसमें अपादान कारक है।

8. 'से' विभक्ति निम्न में से किस कारक के लिए प्रयुक्त होता है?

A. कर्ता
B. कर्म
C. सम्प्रदान
D. करण

Ans. D

Sol. जिस वस्तु की सहायता से कोई काम किया जाता है, उसे करण कारक कहते है।

वह साधन जिससे क्रिया होती है, वह करण कहलाता है। यानि, जिसकी सहायता से किसी काम को अंजाम दिया जाता वह करण कारक कहलाता है।

इसके **विभक्ति-चिह्न 'से'** होता है।

जैसे- 1-अर्जुन ने जयद्रथ को बाण से मारा। 2-बालक गेंद से खेल रहे है।

9. निम्न में से कारक के भेद है।

A. छः
B. सात
C. आठ
D. चार

Ans. C

Sol. कारक का अर्थ है – क्रिया को करने वाला

कारक कि परिभाषा - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उसका सम्बन्ध बताया जाता है। उसे ' कारक ' कहते है।

कारक के आठ प्रकार होते है। जो निम्न है:-

कर्ता – ने

कर्म – को

कारण – से

सम्प्रदान – को, के लिए

आपादन - से

संबंद – का, की, के

अधिकरण – में, पर

10. 'लड़का पेड़ से गिरा' वाक्य में कौन-सा कारक है?

A. अपादान कारक
B. सम्प्रदान कारक
C. कर्म कारक
D. अधिकरण कारक

Ans. A

Sol. लड़का पेड़ से गिरा इस वाक्य में 'से' परसर्ग अलग होने के भाव का बोध कराता है। अतः इस वाक्य में अपादान कारक हैं।

अपादान कारक - संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी से अलग होना पाया जाए वह अपादान कारक कहलाता है

11. '**पेड़ से बन्दर कूदा**' वाक्य में कौन-सा कारक है?

A. आपादान कारक
B. कर्म कारक
C. सम्प्रदान कारक
D. करण कारक

Ans. A

Sol. पेड से बन्दर कूदा। इस वाक्य में 'से' अलग होने के भाव को दर्शाता है जो अपादान कारक का उदाहरण हैं।

अपादान कारक - अपादान कारक का भी विभक्ति चिन्ह से होता है। से चिन्ह करण कारक का भी होता है लेकिन वहां इसका मतलब साधन से होता है।

12. **बिल्ली छत से कूद पड़ी।** वाक्य में कौन सा कारक है।

A. अधिकरण कारक
B. कर्म कारक
C. सम्प्रदान कारक
D. अपादान कारक

Ans. D

Sol. संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी से अलग होना पाया जाता है वह अपादान कारक कहलाता है। इसका विभक्ति-चिह्न 'से' है। जैसे - बच्चा छत से गिर पड़ा।, संगीता घोड़े से गिर पड़ी। इन दोनों वाक्यों में 'छत से' और घोड़े 'से' गिरने में अलग होना प्रकट होता है। अतः 'बिल्ली छत से कूद पड़ी।' में अपादान कारक हैं।

13. 'अतिथि के लिए चाय लाओ।' इस वाक्य में "अतिथि के लिए" में कौन-सा कारक है?

A. कर्म कारक
B. करण कारक
C. संप्रदान कारक
D. अपादान कारक

Ans. C

Sol. वाक्य में प्रयुक्त "अतिथि के लिए" में संप्रदान कारक है। जिसके लिए क्रिया की जाती है या जिसे कुछ दिया जाता है, उसे संप्रदान कारक कहते हैं। इसके कारक चिन्ह को, के लिए, के हेतु, के वास्ते हैं।

जैसे - बच्चा दूध के लिए रो रहा है।

राजा ने भिखारी को वस्त्र दिए आदि।

14. "पीयूष" श्याम को पीट रहा है। इसमें रेखांकित शब्द में कौनसा कारक है

A. कर्ता कारक
B. कर्म कारक
C. कर्म और कर्ता कारक
D. इनमें से कोई नही

Ans. A

Sol. पीयूष शाम को पीट रहा है। रेखांकित शब्द "पीयूष" में कर्ता कारक है। वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जो किसी क्रिया के करने वाले का बोध कराता है। अतः क्रिया को करने वाला कर्ता कहलाता है। कर्ता प्राय: चेतन/ सजीव होता है।

जैसे- नीता ने खाना बना लिया।

राम को कुछ पत्र लिखने थे।

15. "राहुल लखनऊ से दिल्ली जा रहा है।" इस वाक्य में कारक है-

A. संबंध कारक
B. करण कारक
C. अपादान कारक
D. अधिकरण कारक

Ans. C

Sol. प्रस्तुत वाक्य में अपादान कारक है। अतः वाक्य में जब क्रिया के द्वारा कोई संज्ञा या सर्वनाम अन्य किसी संज्ञा या सर्वनाम से अलग हो उसे अपादान कारक कहते हैं। अपादान कारक में पृथकता का भाव ही प्रमुख होता है।

जैसे- वह घर से बाहर गया।

मोहन घोड़े से गिर गया।

गंगा हिमालय से निकलती है।

16. "जब मैं कमरे में गया तो कोई भी नहीं था।" वाक्य में कौन-सा कारक है?

A. संबंध कारक
B. कर्ता कारक
C. सम्प्रदान कारक
D. अधिकरण कारक

Ans. D

Sol. "जब मैं कमरे में गया तो कोई भी नहीं था।" वाक्य में देख सकते है कि वाक्य "में" विभक्ति चिन्ह है। और यह चिन्ह बताता है कि वक्ता कमरे के अंदर गया था।

जब किसी वाक्य में "में" विभक्ति चिन्ह का प्रयोग किया जाता है तो वो अधिकरण कारक होता है।

17. "कोयल डाली पर बैठी है" वाक्य में कौन-सा कारक है ?

A. करण कारक
B. सम्बन्ध कारक
C. अपादान कारक
D. अधिकरण कारक

Ans. D

Sol. अधिकरण कारक - संज्ञा के जिस रूप की वजह से क्रिया के आधार का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं।इसकी विभक्ति में और पर होती है। भीतर , अंदर , ऊपर , बीच आदि शब्दों का प्रयोग इस कारक में किया जाता है।

"कोयल डाली पर बैठी है।"

वाक्य में"पर" विभक्ति चिन्ह का प्रयोग किया गया है। यह बताता है कि कोयल डाली पर बैठी है।

18. इनमें से किस वाक्य में अपादान कारक है?

A. राम ने रावण को तीर से मारा।
B. मैंने उस कार को बेच डाला।
C. मैंने पिताजी से कविता लिखना सीखा।
D. चाकू से फल काटो।

Ans. C

Sol. "मैंने पिताजी से कविता लिखना सीखा" वाक्य में अपादान कारक है।

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से प्रथकता का, दूरी का , तुलना का , निकलने का, डरने का , सीखने का , लज्जित होने का, बोध हो उसे अपादान कारक कहते हैं।

19. कर्म कारक की विभक्ति होती है?

A. ने
B. के लिए
C. को
D. में, पर

Ans. C

Sol. कर्म कारक की विभक्ति '**को**' होती है।

कर्म कारक का उपयोग उस जगह किया जाता है जहाँ क्रिया का प्रभाव पड़े या फिर कर्ता की रूचि जिन कार्यों को करने में होती है, कर्म कारक कहलाता है।

जैसे कि एक उदाहरण के माध्यम से देखते हैं- आप उस बच्ची को बुलाइए।

इस वाक्य में कर्ता की रूचि बच्ची को बुलाने में है। बच्ची के साथ को विभक्ति का प्रयोग किया गया है इसलिए इसमें कर्म कारक है।

20. "**बुद्धिमान**" किस प्रकार का विशेषण है?

A. गुणवाचक
B. दशावाचक
C. कालवाचक
D. स्थानवाचक

Ans. A

Sol. विशेषण - संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं।

उदाहरण-

अच्छा लड़का, तीन पुस्तकें, नई कलम इत्यादि।

बुद्धिमान शब्द में गुणवाचक विशेषण है।

गुणवाचक - जिस विशेषण से किसी संज्ञा सर्वनाम का गुण प्रकट हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

उदाहरण -

वीर आदमी, डरपोक सैनिक, सुंदर लड़की इत्यादि।

21. निम्न में से **पुल्लिंग शब्द** का चयन कीजिए।

A. भूख
B. सरकार
C. लालच
D. ओस

Ans. C

Sol. ऐसे शब्द जिनसे पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध हो ऐसे शब्दों को लिंग कहते है।

पुल्लिंग - जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध हो उन शब्दों को पुल्लिंग शब्द कहते है।

दिए गए विकल्पों में लालच शब्द पुल्लिंग शब्द है अन्य शब्द स्त्री जाति का बोध करते है।

(लालच = लालच होता है) पुरुषजाति का ज्ञान होता है।

22. "धैर्यवान" का स्त्रीलिंग क्या है?

A. धैर्यवती
B. धैर्यवाला
C. धैर्यशाली
D. धीरता

Ans. A

Sol. दिए गए विकल्पों में धैर्यवान शब्द का स्त्रीलिंग शब्द धैर्यवती होता है।

वह संज्ञा शब्द जो हमें स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

23. 'दाता' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द क्या है?

A. दाती
B. दातृ
C. दात्री
D. धात्री

Ans. C

Sol. **स्त्रीलिंग शब्द**:-वह संज्ञा शब्द जो हमें स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द कहलाते हैं। जैसे:

सजीव : माता इत्यादि|

'दाता' का स्त्रीलिंग दार्त्री होता है जिनका समान्य अर्थ है

देने वाला (दाता) - पुलिंग

देने वाली (दार्त्री) - स्त्रीलिंग

24. निम्नांकित में से कौन सा शब्द का पुल्लिंग नहीं है?

A. हाथी
B. नदी
C. दही
D. पानी

Ans. B

Sol. संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की नर या मादा जाति का बोध हो, उसे व्याकरण में 'लिंग' कहते है।

पुल्लिंग:-जिन संज्ञा शब्दों से पुरूष जाति का बोध होता है, उसे पुलिंग कहते है।

उदाहरण-राजा, घोड़ा

स्त्रीलिंग:-जिस संज्ञा शब्द से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते है।

उदाहरण-रानी, घोड़ी

नदी- नदी शब्द स्त्रीलिंग हैं, क्योकि नदी शब्द से स्त्री जाति का बोध होता है।

अन्य विकल्प पुल्लिंग है - पानी , दही , हाथी

25. कौन सा शब्द स्त्रीलिंग है –

A. सहारा
B. सूचीपत्र
C. सियार
D. परिषद

Ans. D

Sol.

प्रयोग के आधार पर देखे तो सहारा दिया जाता है , सूचीपत्र तैयार किया जाता है, सियार आ जायेगा, परिषद होती है |

26. निम्न में पुल्लिंग शब्द है –

A. नदी
B. दही
C. रोटी
D. दाल

Ans. B

Sol. पुल्लिंग शब्द - वे संज्ञा शब्द जो हमें पुरुष जाति के व्यक्ति, वस्तु आदि का बोध कराते हैं, वे पुल्लिंग शब्द कहलाते हैं।

कुछ द्रव पदार्थो के नाम हमेशा पुल्लिंग रहती है - दही, दूध, पानी, तेल, कोयला

दाल - दल खाई जाती है

रोटी - रोटी खाई जाती है

27. निम्न में से कौनसा विकल्प सही है?

A. 'लड़का' एकवचन शब्द है।
B. 'लड़के ने' एकवचन शब्द है।
C. A एवं B दोनों सही हैं।
D. इनमें से कोई भी सही नहीं है।

Ans. C

Sol. लड़का एकवचन शब्द है। इसे वाक्य के माध्यम से देख सकते हैं- लड़का क्रिकेट खेलता है। यहाँ लड़का से तात्पर्य एक बालक से है।

दूसरे कथन में लड़के ने भी एकवचन है क्योंकि यहाँ लड़के ने के माध्यम से भी एक बालक के बारे में बात की जा रही है। उदाहरण के तौर पर- उस लड़के ने क्रिकेट के मैच में 50 रन बनाए।

28. लिंग की द्रष्टि से **पैसा** शब्द है।

A. पुल्लिंग
B. स्त्रीलिंग
C. नपुंसकलिंग
D. उभयलिंग

Ans. A

Sol. लिंग की द्रष्टि से **पैसा** शब्द पुल्लिंग है।क्योंकि आकारान्त संज्ञा पुल्लिंग होती है। जैसे :- गुस्सा , चश्मा , पैसा , छाता आदि।

29. एकवचन और बहुवचन में प्रयुक्त होने वाला शब्द कौन सा है?

A. अश्रु
B. रोटी
C. योद्धा
D. पत्रिका

Ans. C

Sol. एकवचन - शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु का बोध हो, उसे **एकवचन** कहते हैं।

बहुवचन - शब्द के जिस रूप से अनेकता का बोध हो उसे **बहुवचन** कहते हैं।

कुछ शब्द दोनों वचनों में एक जैसे रहते है। जैसे- पिता, **योद्धा**, चाचा, मित्र, फल, बाज़ार, अध्यापक, फूल, छात्र, दादा, राजा, विद्यार्थी आदि।

एकवचन - बहुवचन

पत्रिका - पत्रिकाएँ

वचन के कुछ शब्दों का प्रयोग हमेशा ही बहुवचन में किया जाता है।

जैसे :- दाम , दर्शन , प्राण , आँसू , लोग , अक्षत , होश , समाचार

30. निम्न में से किस वाक्य में स्थानवाचक क्रिया विशेषण है?

A. बूढ़े धीरे - धीरे पैदल चलते है
B. पुलिस ने अचानक छापा मारा
C. उसे इधर-उधर मत जाने देना
D. वह बहुत अधिक बोलता है

Ans. C

Sol. "उसे **इधर-उधर** मत जाने देना" इस वाक्य में "इधर-उधर" जाना क्रिया के व्यापार-स्थान का बोध करा रही है।

जो शब्द किसी क्रिया के संपादित होने के स्थान का बोध कराते हैं, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

जैसे- यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ, सामने, नीचे, ऊपर, आगे, भीतर, बाहर,इधर-उधर आदि।

अन्य वाक्य -

वह **बहुत** अधिक बोलता है - परिणामवाचक क्रिया विशेषण

पुलिस ने **अचानक** छापा मारा - रीतिवाचक क्रिया विशेषण

बूढ़े **धीरे - धीरे** पैदल चलते है - कालवाचक क्रिया विशेषण

31. बाल दसा सुख निरखि जसोदा, पुनि पुनि नन्द बुलवाति

अंचरा-तर लै ढ़ाकी सूर, प्रभु कौ दूध पियावति|

दिए गए पद में कौनसा रस है?

A. रौद्र
B. वात्सल्य
C. वियोग
D. हास्य

Ans. B

Sol. दिए गए पद में वात्सल्य रस है|

वात्सल्य रस का स्थाई भाव स्नेह होता है| छोटे बालकों के बाल-सुलभ मानसिक क्रिया कलापों के वर्णन से उत्पन्न प्रेम की परिपक्वावस्था को वात्सल्य रस कहते हैं| दिए गए पद में माता जसोदा एवं कृष्ण के बारे में वर्णन है इसीलिये दिए गए पद में वात्सल्य रस है|

32. निम्नलिखित पद में कौन सा अलंकार है?

सागर -सा गंभीर ह्रदय हो ,

गिरी -सा ऊँचा हो जिसका मन।

A. यमक
B. अनुप्रास
C. उपमा
D. श्लेष

Ans. C

Sol. दिए गए पद में उपमा अलंकार है क्योंकि इसमें व्यक्ति के ह्रदय की तुलना सागर से की जा रही है|

समान धर्म, स्वभाव, शोभा,गुण आदि के आधार पर जहाँ एक बस्तु की तुलना दूसरी बस्तु से की जाती है, वहाँ उपमा अलंकार होते है|

33. तीन बेर खाती, बो अब तीन बेर खाती है| इस पद में कौनसा अलंकार है?

A. यमक
B. श्लेष
C. अनुप्रास
D. उपमा

Ans. A

Sol. जहाँ एक शब्द की आवृत्ति दो या दो से अधिक बार होती है, परन्तु उनके अर्थ अलग-अलग होते हैं| वहाँ यमक अलंकार होता है| प्रश्न में दिए गए पद में बेर का प्रयोग दो बार हुआ है, पर दोनों बार भिन्न-भिन्न अर्थों में| पहली बार में बेर का अर्थ वक्त है जबकि दूसरी बार इसका अर्थ फल से है|

34. उपमा अलंकार के कितने अंग होते हैं?

A. 2 B. 4

C. 3 D. 6

Ans. B

Sol. उपमा अलंकार के 4अंग होते हैं। उपमेय, उपमान, वाचक, समास धर्म

समान धर्म, स्वभाव, शोभा,गुण आदि के आधार पर जहाँ एक बस्तु की तुलना दूसरी बस्तु से की जाती है, वहाँ उपमा अलंकार होते है।

उपमा अलंकार के 4अंग होते हैं-

1. उपमेय- जिसकी उपमा दी जाए।

2. जिससे उपमा दी जाए।

3. वाचक- जिस शब्द से उपमा प्रकट की जाए।

4. साधरण धर्म - जिस गुण को लेकर उपमा दी जाए। श्याम के मुख पर सुवह के सूर्य जैसा तेज है।

35. **अलंकार** मुख्यतः कितने प्रकार के होते हैं?

A. 2 B. 3

C. 4 D. 5

Ans. B

Sol. अलंकार शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है – अलम + कार। अलम का अर्थ होता है ' आभूषण। मानव समाज बहुत ही सौन्दर्योपासक है उसकी प्रवर्ती के कारण ही अलंकारों को जन्म दिया गया है।

जिस प्रकार से एक नारी अपनी सुन्दरता बढ़ाने के लिए आभूषणों को प्रयोग में लाती हैं उसी प्रकार भाषा को सुन्दर बनाने के लिए अलंकारों का प्रयोग किया जाता है। अथार्त जो शब्द काव्य की शोभा को बढ़ाते हैं उसे अलंकार कहते हैं।

1. शब्दालंकार

2. अर्थालंकार

3. उभयालंकार

36. कहीं-कहीं एक ही अलंकार में शब्द और अर्थ दोनों का रंजन होता है, वहाँ कौनसा अलंकार होता है?

A. शब्दालंकार B. अर्थालंकार

C. उभयालंकार D. इनमें से कोई नहीं

Ans. C

Sol. जो अलंकार शब्द और अर्थ दोनों पर आधारित रहकर दोनों को चमत्कारी करते हैं वहाँ उभयालंकार होता है। कजरारी अंखियन में कजरारी न लखाय। इस वाक्य में उभयालंकार है|

37. चरण धरत चिंताकरत, भावत नींद न शोर।

सुबरन को ढूँढत फिरत, कवि, कामी और चोर।।

इस दोहे में कौनसा अलंकार है?

A. यमक
B. श्लेष
C. उपमा
D. इनमें से कोई नहीं

Ans. B

Sol. दिए गए दोहे में श्लेष अलंकार है। श्लेष का अर्थ होता है चिपका हुआ। इस अलंकार में प्रयुक्त शब्दविशेष में कई अर्थ निहित होते हैं| या फिर सरल भाषा में कहें तो जब किसी पंक्ति में एक ही शब्द में अनेक अर्थ होते हैं तब वहाँ श्लेष अलंकार होता है| दिए गए दोहे में सुबरन शब्द के तीन अर्थ हैं अच्छे वर्ण, अच्छे रंग और स्वर्ण।

38. **"फूलो के आस पास रहते है, फिर भी काटे उदास रहते है"** पक्ति में अलंकार है।

A. उपमा अलंकार
B. अन्योक्ति अलंकार
C. अतिश्योक्ति अलंकार
D. भ्रम अलालंकर

Ans. B

Sol. अलंकार दो शब्दों से मिलकर बना होता है- **अलम + कार।** यहाँ पर अलम का अर्थ होता है - आभूषण जहाँ पर किसी उक्ति के माध्यम से किसी अन्य को कोई बात कही जाए वहाँ पर अन्योक्ति अलंकार होता है।

39. 'नवल सुन्दर श्याम-शरीर की, सजल नीरद-सी कल-कान्ति थी' वाक्य में कौन सा अलंकार है ?

A. उपमा
B. रूपक
C. श्लेष
D. उत्प्रेक्षा

Ans. A

Sol. प्रस्तुत पंक्तियों में उपमा अलंकार है । जिस जगह दो वस्तुओं में अन्तर रहते हुए भी आकृति एवं गुण की समानता दि खाई जाए उसे उपमा अलंकार कहा जाता है।

40. अलंकार संप्रदाय के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन थे?

A. दंडी
B. आनंदवर्धन
C. भारत मुनि
D. विश्नाथ

Ans. A

Sol. अलंकार संप्रदाय के प्रतिष्ठापक आचार्य दंडी को माना जाता है, संस्कृत के अलंकार संप्रदाय के प्रतिष्ठापक आचार्य दण्डी के शब्दों में- 'काव्य शोभाकरान् धर्मान अलंकारान् प्रचक्षते'- काव्य के शोभाकारक धर्म (गुण) अलंकार कहलाते हैं।

41. "शब्द और अर्थ की विचित्रता ही अलंकार है" यह किसने कहा है?

A. दण्डी
B. केशवदास
C. रामचंद्र शुक्ल
D. भामह

Ans. D

Sol. "शब्द और अर्थ की विचित्रता ही अलंकार है" यह आचार्य भामह का कथन है|

42. 'उल्का-सी रानी दिशा दीप्त करती थी' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

A. यमक
B. रूपक
C. उत्प्रेक्षा
D. उपमा

Ans. D

Sol. 'उल्का-सी रानी-------' पंक्ति में आया वाचक शब्द 'सी' उपमेय रानी व उपमान उल्का के मध्य लगा है। अतः यहाँ उपमा अलंकार है।

43. स्वछंद का सही संधि विच्छेद होगा –

A. सु + छंद
B. स्व + छंद
C. स्वच्छ + द
D. सू + छंद

Ans. B

Sol. यदि छ से पहले ह्रस्व स्वर हो तो छ से पहले च् जोड़ दिया जाता है- स्व + छंद

44. भगवत्भजन का संधि विच्छेद होगा –

A. भगवा + भजन
B. भगवत् + भजन
C. भगवत + भजन
D. भगत + भजन

Ans. B

Sol. किसी वर्ग के पहले वर्ण का मेल वर्ग के 3rd ,

4th वर्ण या किसी स्वर से हो तो वर्ग का पहला वर्ण अपने ही वर्ग के 3rd वर्ण में बदल जाता है | भगवत् + भजन

45. विधालय में संधि होगी –

A. गुण
B. यण
C. दीर्घ
D. वृद्धि

Ans. C

Sol. विधा + आलय = विधालय

46. अन्वय में संधि है –

A. दीर्घ
B. गुण
C. यण
D. वृद्धि

Ans. C

Sol. अनु + अय

47. विद्यार्थी उदहारण है।

A. वृद्धि स्वर संधि का
B. गुण स्वर संधि का
C. वयंजन संधि का
D. दीर्घ स्वर संधि

Ans. D

Sol. संधि (सम् + धि) शब्द का अर्थ है 'मेल'। दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है वह संधि कहलाता है। जैसे - सम् + तोष = संतोष

पास-

पास स्थित दो स्वरों के मेल से होने वाले विकार को दीर्घ स्वर संधि कहते हैं। जैसे- विद्यार्थी = विद्या + अर्थी (दीर्घ स्वर सन्धि)

48. '**नगरप्रवेश**' में कौनसा समास है?

A. अव्ययीभाव
B. द्वंद्व
C. तत्पुरुष
D. बहुव्रीहि

Ans. C

Sol. समास - समास का तात्पर्य होता है – संछिप्तीकरण। इसका शाब्दिक अर्थ होता है छोटा रूप। अथार्त जब दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर जो नया और छोटा शब्द बनता है उस शब्द को समास कहते हैं।

नगरप्रवेश का समास विग्रह - नगर में प्रवेश **(तत्पुरुष समास)**

नियम - इसमें दोनों पदों को जोड़ने पर में विभक्ति लुप्त हो जाती है। इसीलिये नगरप्रवेश में **तत्पुरुष समास** है।

नगरप्रवेश में सप्तमी तत्पुरुष समास है इसमें में, पै एवं पर विभक्ति लुप्त हो जाती है।

तत्पुरुष समास - जिस समास में बाद का अथवा उत्तर पद प्रधान होता है एवं दोनों पदों के बीच का कारक चिन्ह लुप्त हो जाता है, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। जैसे- पदच्युत= पद से च्युत।

49. "मजदूर मेहनत करता है किन्तु उसे उसका मेहनताना नहीं मिलता।" वाक्य है -

A. सरल वाक्य
B. संयुक्त वाक्य
C. मिश्रित वाक्य
D. इनमे से कोई नहीं।

Ans. B

Sol. वाक्य - सार्थक शब्दों के व्यवस्थित रूप को जिससे अपेक्षित अर्थ प्रकट हो वाक्य कहलाता है।

संयुक्त वाक्य - जिस वाक्य में दो या दो से अधिक सरल वाक्य योजकों (और, एवं, तथा, या, अथवा, इसलिए, अतः, फिर भी, तो, नहीं तो, किन्तु, परन्तु, लेकिन, पर आदि) से जुड़े हों, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते है।

जैसे -

मजदूर मेहनत करता है किन्तु उसे उसका मेहनताना नहीं मिलता। वाक्य में योजक (किन्तु) का प्रयोग किया गया है।

50. निम्नलिखित विकल्पों में किस विकल्प में विशेषण का निर्देश अशुद्ध है?

A. बीसवाँ - क्रमवाचक विशेषण
B. आठो पुस्तकें - संग्रहवाचक विशेषण
C. दुगने छात्र - आवृत्तिवाचक विशेषण
D. चार छात्र - अपूर्णांकबोधक विशेषण

Ans. D

Sol. d विकल्प गलत है क्योंकि चार छात्र पूर्णांकबोधक विशेषण है

पूर्णांकबोधक विशेषण- इसमें पूर्ण संख्या का प्रयोग होता है।

जैसे- चार छात्र, आठ लड़कियाँ।

अपूर्णांकबोधक विशेषण- इसमें अपूर्ण संख्या का प्रयोग होता है।

जैसे- सवा रुपये, ढाई किमी. आदि।

51. काम का नाम बतलाने वाले शब्द को क्या कहते हैं?

A. क्रिया विशेषण
B. अव्यय
C. क्रिया
D. सर्वनाम

Ans. C

Sol. काम का नाम बतलाने वाले शब्द को क्रिया कहते हैं। जैसे कि कर, सो, पी, तैर आदि काम को बताते हैं और ये सभी क्रिया के अंतर्गत आते हैं।

52. यह नयी साड़ी है, वाक्य में **'नयी '** शब्द है।

A. सर्वनाम
B. क्रिया
C. क्रिया विशेषण
D. विशेषण

Ans. D

Sol. वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। जैसे - यह नयी साड़ी है। इस वाक्य में 'नयी' शब्द विशेषण है।

53. **'बाजार'** शब्द से किस संज्ञा का बोध होता है?

A. भाववाचक
B. समूहवाचक
C. जातिवाचक
D. व्यक्तिवाचक

Ans. B

Sol. 'बाजार' प्रायः लोगो /दुकानों आदि का एक समूह है। अतः यह एक समूहवाचक संज्ञा है।

54. **'हल्दी'** शब्द का तत्सम रूप है।

A. हरद्रिका
B. हरीदा
C. हरिद्रा
D. हलिद्रा

Ans. C

Sol. 'हल्दी' शब्द का तत्सम रूप 'हरिद्रा' है। संस्कृत के कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो हिंदी में भी बिना परिवर्तन के प्रयुक्त होते हैं। उन शब्दों को तत्सम शब्द कहते हैं ।

55. इनमें कौन-सा शब्द **तद्भव** है?

A. मधुप
B. भ्रमर
C. मधुकर
D. भँवरा

Ans. D

Sol. **तद्भव शब्द:-**संस्कृत भाषा के वे शब्द जिनमे थोड़ा बहुत परिवर्तन करके हिंदी भाषा में प्रयुक्त किया जाता हैं उन्हें तद्भव शब्द कहते है ।

भँवरा एक तद्भव शब्द है। इसका तत्सम रूप भ्रमर होता है। संस्कृत भाषा के वे शब्द जिनमे थोड़ा बहुत परिवर्तन करके हिंदी भाषा में प्रयुक्त किया जाता हैं उन्हें तद्भव शब्द कहते है ।

56. तदभव और उसके तत्सम का कौन-सा मेल गलत है?

A. लुनाई - लावण्यता
B. लौंग - लवंग
C. आंत - अंत्र
D. आयसु - आदेश

Ans. C

Sol. समय और परिस्थिति की वजह से तत्सम शब्दों में जो परिवर्तन हुये, हैं उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

तत्सम - तद्भव

लवंग - लौंग

लवणता -लुनाई

आदेश - आयुस

यहाँ आंत - अंत्र का मेल गलत है। क्योकि आंत शब्द में तद्भव है जबकि इसका तत्सम आंत्र होगा।

57. निम्न में से तत्सम और तद्भव का शुद्ध रूप नहीं है।

A. आदित्यवार = इतवार
B. एला = इलायची
C. कार्तिक = कातिक
D. कपर्दिका = किवाड़

Ans. D

Sol. तद्भव= तत्+भाव जिसका अर्थ है विकसित या उससे उत्पन्न होना। अर्थात वे शब्द जो संस्कृत या उससे उत्पन्न हुए हैं। या ऐसे संस्कृत शब्द जो कुछ रूप परिवर्तन के साथ हिंदी शब्दावली में आ गए।

तत्सम= तत+सम= उसके समान अर्थात ऐसे शब्द जो संस्कृत से हिंदी में आये और ज्यों के त्यों रहे, तत्सम शब्द कहलाते हैं।

कपर्दिका का तद्भव रूप किवाड़ नहीं होता

कपर्दिका = कौड़ी

कपाट = किवाड़

58. निम्न में से तद्भव शब्द कौन सा है?

A. ताम्र
B. दधि
C. डिब
D. दीया

Ans. D

Sol.

तद्भव= तत्+भाव जिसका अर्थ है विकसित या उससे उत्पन्न होना। अर्थात वे शब्द जो संस्कृत या उससे उत्पन्न हुए हैं। या ऐसे संस्कृत शब्द जो कुछ रूप परिवर्तन के साथ हिंदी शब्दावली में आ गए।

तत्सम= तत+सम= उसके समान अर्थात ऐसे शब्द जो संस्कृत से हिंदी में आये और ज्यों के त्यों रहे, तत्सम शब्द क हलाते हैं।

दीया शब्द तद्भव शब्द है अन्य दिए गए विकल्पो में तत्सम शब्द है।

तत्सम तद्भव

दीपक - दीया

दधि - दही

डिब - डिब्बा

ताम्र - ताँबा

59. निम्न में से ईर्षा शब्द का तत्सम शब्द है।

A. इरखा
B. ईर्ष्या
C. इरषा
D. इनमें से कोई नहीं|

Ans. B

Sol. ईर्षा या इरखा एक तद्भव शब्द है इसका तत्सम शब्द ईर्ष्या होता है। इसका मतलब जलन होता है|

तद्भव= तत्+भाव जिसका अर्थ है विकसित या उससे उत्पन्न होना। अर्थात वे शब्द जो संस्कृत या उससे उत्पन्न हुए हैं| या ऐसे संस्कृत शब्द जो कुछ रूप परिवर्तन के साथ हिंदी शब्दावली में आ गए।

तत्सम= तत+सम= उसके समान अर्थात ऐसे शब्द जो संस्कृत से हिंदी में आये और ज्यों के त्यों रहे, तत्सम शब्द कहलाते हैं।

60. '**गृध्र**' शब्द का तद्भव रूप है।

A. गीध
B. गीधी
C. गृध
D. गीधना

Ans. A

Sol. **तद्भव**:- संस्कृत भाषा के वे शब्द जो कुछ परिवर्तन के साथ हिंदी शब्दावली में आ गए हैं, उसे तद्भव शब्द कहा जाता है

'गृध्र' शब्द का तद्भव रूप **'गीध'** होता है।

61. "**माँ ने बच्चे को नहलाया और स्कूल भेजा**" कौन सा वाक्य है?

A. संयुक्त वाक्य
B. मिश्र वाक्य
C. सरल वाक्य
D. साधारण वाक्य

Ans. A

Sol. माँ ने बच्चे को नहलाया और स्कूल भेजा, संयुक्त वाक्य है।

जिस वाक्य में दो या दो से अधिक साधारण अथवा मिश्र वाक्य स्वतंत्र रूप से समुच्चयबोधक अवव्यों (किन्तु ,परन्तु ,और ,तथा ,अथवा ,आदि) द्वारा मिले हों ,वह संयुक्त वाक्य कहलाता है।

62. निम्नलिखित में से कौन-सा मिश्र वाक्य है?

A. यज्ञदत्त देवदत्त को व्याकरण पढ़ाता है।
B. वह उड़ती हुई चिड़िया पहचानता है।
C. उसमें न पत्ते थे, न फूल थे।
D. मैंने सुना है कि आपके देश में अच्छा राजप्रबन्ध है।

Ans. D

Sol. मिश्र वाक्य - ऐसे वाक्य जिनमें सरल वाक्य के साथ-साथ कोई दूसरा उपवाक्य भी हो, वे वाक्य मिश्र वाक्य कहलाते हैं। मिश्र वाक्य में प्रधान वाक्य को आश्रित उपवाक्य से जोड़ने के लिए जो आपस में 'कि, जो, क्योंकि, जितना, उतना, जैसा, वैसा' आदि का प्रयोग किया जाता है।

मैंने सुना है कि आपके देश में अच्छा राजप्रबन्ध है।" वाक्य प्रधान वाक्य को आश्रित उपवाक्य से जोड़ने के लिए "कि" का प्रयोग किया जाता है।

अन्य वाक्य -

यज्ञदत्त देवदत्त को व्याकरण पढ़ाता है। - सरल वाक्य

वह उड़ती हुई चिड़िया पहचानता है। - सरल वाक्य

उसमें न पत्ते थे, न फूल थे। - सरल वाक्य

63. शुद्ध वाक्य है ।

A. मुझे यह काम करना है।
B. मेरे को सुबह उठना अच्छा लगता है ।
C. राम ने दो पुस्तक खरीदी ।
D. मुझे तेरे से पैसे लेने है ।

Ans. A

Sol. प्रस्तुत वाक्य व्याकरणिक द्रष्टि से सही है अतः विकल्प A सही है

मुझे यह काम करना है।

वाक्यों का शुद्ध रूप -

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
राम ने दो पुस्तक खरीदी -	राम ने पुस्तके खरीदी
मुझे तेरे से पैसे लेने है -	मुझे तुम से पैसे लेने है

मेरे को सुबह उड़ना अच्छा लगता है - मुझे सुबह उठना अच्छा लगता है ।

64. निम्न में से शुद्ध वाक्य है।

A. धर्म ईश्वर ही है।
B. पाठ पढकर कल आइये।
C. मेरा नाम मोहन है।
D. मुझे कृपा करो।

Ans. C

Sol. **मेरा नाम मोहन है।** वाक्य शुद्ध है।

अन्य अशुद्ध वाक्यों के शुद्ध वाक्य -

अशुद्ध वाक्य	-	शुद्ध वाक्य
धर्म ईश्वर ही है।	-	धर्म ही ईश्वर है।
पाठ पढकर कल आइये।	-	कल पाठ पढकर आइये।
मुझे कृपा करो।	-	मुझ पर कृपा करो।

65. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध रूप चुनिएः

A. हमारे यहाँ तरुण नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।
B. हमारे यहाँ तरूण नवयुवकों की शिक्षा का प्रबन्ध है।
C. हमारे यहाँ नवयुवकों की शीक्षा की अच्छाप्रबन्ध है।
D. हमारे यहाँ नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।

Ans. D

Sol. उपरोक्त वाक्यों में से 'हमारे यहाँ नवयुवकों की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध है।' शुद्ध रूप है।

66. निम्न लिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

A. खेतों में लम्बे-लम्बे घास उग आए।

B. परशुराम के क्रोधाग्नि ने क्षत्रियों से जला दिया।

C. गलियों में चौड़ा करना आवश्यक है।

D. वृक्ष पर कोयल कूक रही है।

Ans. D

Sol. **वृक्ष पर कोयल कूक रही है** वाक्य व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध है

अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप -

अशुद्ध वाक्य शुद्ध वाक्य

खेतों में लम्बे-लम्बे घास उग आए। - खेतों में लम्बी-लम्बी घास उग आए।

परशुराम के क्रोधाग्नि ने क्षत्रियों से जला दिया। - परशुराम के क्रोधाग्नि ने क्षत्रियों को जला दिया।

गलियों में चौड़ा करना आवश्यक है। - गलियों को चौड़ा करना आवश्यक है।

67. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है ?

A. मैंने पार्टी में आठ-दस रसगुल्ला खाया। B. प्रेम का मूल्य आंका नहीं जा सकता।

C. इतने में हल्की-सी हवा का एक झोंका आया। D. प्रत्येक श्रमिकों को दो-दो रूपये मिले।

Ans. B

Sol. व्याख्या :

"प्रेम का मूल्य आंका नहीं जा सकता।" वाक्य शुद्ध है अन्य वाक्य व्याकरणिक नियमों के आधार पर अशुद्ध है

अशुद्ध वाक्यों का शुद्ध रूप -

मैंने पार्टी में आठ-दस रसगुल्ला खाया। - मैंने पार्टी में आठ-दस रसगुल्ले खायें।

इतने में हल्की-सी हवा का एक झोंका आया। - इतने में हवा का एक झोंका आया।

प्रत्येक श्रमिकों को दो-दो रूपये मिले। - प्रत्येक श्रमिक को दो-दो रूपये मिले।

68. निम्नलिखित में से 'ऊष्म व्यंजन' कौन-से हैं?

A. च-छ-ज B. श-ष-स

C. अ-ब-स D. य-र-ल

Ans. B

Sol. 'ऊष्म व्यंजन' श-ष-स हैं ।

श- (अघोष, तालव्य, उच्चारण स्थान- तालु)

ष- (अघोष, मूर्धन्य, उच्चारण स्थान- तालु का मूर्धा भाग)

स- (अघोष, वत्स्य, उच्चारण स्थान- दंतमूल)

69. निम्न में से **त वर्ग** का वर्ण है।

A. फ् B. भ्

C. द् D. म्

Ans. C

Sol. वर्ण - भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है जिसे लिखित रूप में वर्ण कहा जाता है। वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते है।

व्यंजन - वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करने के लिए स्वर की सहायता लेनी पड़ती है, व्यंजन कहलाते है। ध्वनि के उच्चारण में श्वास वायु मुँह के किसी ना किसी भाग से टकराकर बाहर आती है ऐसे वर्ण व्यंजन कहलाते है।

त वर्ग - त्, थ्, द्, ध्, न् अन्य विकल्प त वर्ग के अंतर्गत नहीं आते है

70. प्लुत स्वर कौन-सा है ?

A. अउम B. ओउम्

C. ओम् D. ओम

Ans. B

Sol. प्लुत स्वर :- वे स्वर वर्ण जिनके उच्चारण में ह्रस्व स्वर से तीन गुना समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहतें हैं| जैसे : प्रथमोSध्याय

जिस स्वर के उच्चारण में तिगुना समय लगे, उसे 'प्लुत' कहते हैं।

इसका चिह्न (s) है। इसका प्रयोग अकसर पुकारते समय किया जाता है। जैसे- सुनोऽऽ, राऽऽम, ओऽऽम्।

हिन्दी में साधारणतः प्लुत का प्रयोग नहीं होता। वैदिक भाषा में प्लुत स्वर का प्रयोग अधिक हुआ है।

इसे 'त्रिमात्रिक' स्वर भी कहते हैं।

71. **कृपण** शब्द का भाववाचक शब्द क्या होगा?

A. कृपा B. कृपणता

C. कृपालु D. कृपन

Ans. B

Sol. **भाववाचक शब्द** - जो शब्द किसी पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

कृपण (विशेषण) + ता = कृपणता

विशेषण शब्द में अप , ता , अपा, हट आदि में प्रत्यय शब्द जोड़कर भाववाचक शब्द बनाये जाते है।

72. निम्न में से महाप्राण वर्ण है –

A. श, ष, स
B. प, ब, म
C. क, ग, ङ
D. य, र, ल

Ans. A

Sol. महाप्राण:-जिनके उच्चारण में 'हकार'-जैसी ध्वनि विशेष रूप से रहती है और श्वास अधिक मात्रा में निकलती हैं। उन्हें महाप्राण कहते हैं।

प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण तथा समस्त ऊष्म वर्ण महाप्राण हैं।

जैसे- ख, घ; छ, झ; ठ, ढ; थ, ध; फ, भ और श, ष, स, ह।

संक्षेप में अल्पप्राण वर्णों की अपेक्षा महाप्राणों में प्राणवायु का उपयोग अधिक श्रमपूर्वक करना पड़ता हैं।

73. **"य" वर्ण** का उच्चारण स्थान है।

A. तालु
B. कंठ
C. दन्त
D. ओष्ट

Ans. A

Sol. वर्ण - हिन्दी भाषा में प्रयुक्त सबसे छोटी इकाई **वर्ण** कहलाती है।

य वर्ण का उच्चारण स्थान – तालु है।

तालु से उच्चारित वर्ण - इ,च,छ,ज,झ, ञ , य,श

74. निम्न में से अघोष वर्ण है।

A. क,ग
B. च,ज
C. त,थ
D. ट,ड

Ans. C

Sol. वर्ण - हिन्दी भाषा में प्रयुक्त सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है।

अघोष वर्ण- जिन वर्णों के उच्चारण में नाद की जगह केवल श्वाँस का उपयोग होता हैं, उन्हे अघोष वर्ण कहते हैं।

इनकी संख्या 13 होती है। क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, स

75. निम्न में से कौन -सा वाक्य सही है?

A. ओह! मैं क्या करूँ
B. ओह मैं क्या करूँ!
C. ओह! मैं क्या करूँ।
D. ओह मैं क्या करूँ।

Ans. C

Sol. विराम चिन्हों की द्रष्टि से विकल्प c सही है क्योंकि वाक्य में सही स्थान पर विराम चिन्हों का प्रयोग किया गया है जो अन्य वाक्य में नहीं किया गया है ।

उदाहरण - ओह!(विस्मयादि बोधक) मैं क्या करूँ। (पूर्ण विराम)

76. 'बुद्धिमान' शब्द किस संवर्ग में है?

A. संज्ञा
B. विशेषण
C. सर्वनाम
D. अव्यय

Ans. B

Sol. विशेषण - संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

बुद्धिमान विशेषण शब्द है।

जैसे - बुद्धिमान व्यक्ति, व्यक्ति संज्ञा शब्द है जिसकी विशेषता बुद्धिमान शब्द बता रहा है।

77. रचना के आधार पर क्रिया के भेद ह।

A. 2
B. 8
C. 4
D. 5

Ans. A

Sol. रचना के आधार पर क्रिया के मुख्यतः दो भेद होते है -

1.अकर्मक क्रिया

2.सकर्मक क्रिया

अकर्मक क्रिया - जिस क्रिया का फल कर्ता पर ही पड़ता है वह क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती हैं।

उदाहरण : राम पढता है।

सकर्मक क्रिया - जिस क्रिया में कर्म का होना ज़रूरी होता है वह क्रिया सकर्मक क्रिया कहलाती है। इन क्रियाओं का असर कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है। सकर्मक अर्थात कर्म के साथ।

78. निम्न में से स्त्रीलिंग शब्द है -

A. हाथी
B. दही
C. पानी
D. रोटी

Ans. D

Sol. लिंग - ऐसे शब्द जिनसे पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध हो ऐसे शब्दों को लिंग कहते है।

स्त्रीलिंग शब्द - जिस संज्ञा शब्द से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते है।

रोटी शब्द स्त्रीलिंग शब्द है अन्य विकल्पों पुल्लिंग शब्द है।

ईकारान्त संज्ञाएँ स्त्रीलिंग होती है। जैसे- नदी, चिट्ठी, रोटी, टोपी, उदासी इत्यादि।

अन्य विकल्प-

द्रव पदार्थो के नाम पुल्लिंग शब्द होते है- शरबत, दही, दूध, पानी, तेल, कोयला, पेट्रोल, घी आदि।

हाथी (पुल्लिंग)= हाथिन (स्त्रीलिंग)

79. 'लक्ष्य' का अनेकार्थक शब्द है।

A. नाम, बल
B. गति, चाल
C. निशाना, उद्देश्य
D. सही, गलत

Ans. C

Sol. अनेकार्थी शब्द, ऐसे शब्द जिनके अनेक या एक से अधिक अर्थ होते हैं।

'लक्ष्य' का अनेकार्थक शब्द है - निशाना, उद्देश्य।

लक्ष्य का अर्थ -उद्देश्य, वह शिकार, वस्तु या निशान जिसपर निशाना लगाया जाए

80. 'तीर' का अनेकार्थक शब्द है ।

A. नदीतट, बाण
B. सरोवर, गरम
C. निकट, अंधकार
D. पाप, बिजली

Ans. A

Sol. अनेकार्थी शब्द, ऐसे शब्द जिनके अनेक या एक से अधिक अर्थ होते हैं 'तीर' का अनेकार्थक शब्द है - नदीतट , बाण।

तीर शब्द के अन्य अनेकार्थी शब्द - नदीतट , बाण , सरोवर , निकट

तीर का अर्थ - नदी का तट या किनारा , रांगा, निकट , समीप , पास।

81. "जिस बीमारी का ठीक होना सम्भव न हो" वाक्य के लिए एक शब्द बताए

A. असाध्य
B. विरोगी
C. भयानक
D. घातक

Ans. A

Sol. कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते है। उसे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते है।

जिस बीमारी का ठीक होना सम्भव न हो - असाध्य

82. "अंडों से निकली छोटी मछलियों का समूह" के लिए एक शब्द होगा।

A. पोताधान
B. लोमश
C. कुहू
D. तमिस्रा

Ans. A

Sol. अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग वाक्यों में एकार्थी शब्द कहलाते है।

"अंडों से निकली छोटी मछलियों का समूह" वाक्य के लिए एक शब्द पोताधान होता है।

अन्य शब्दों के एकार्थी शब्द -

अँधेरी रात - तमिस्रा

बड़े बड़े रोओंवाला - लोमश

अमावस्या की रात - कुहू

83. 'जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो' इस शब्द समूह के लिए एक शब्द क्या है?

A. कुलीन
B. समृद्ध
C. धनी
D. कृपण

Ans. A

Sol. हिंदी भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते है

इसी प्रकार, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते है।

जैसे: जो अच्छे कुल (उच्च कुल) में उत्पन्न हुआ हो उसे कुलीन कहते है।

84. **'बिना पढ़ा हुआ अंश'** वाक्यांश के लिए शब्द होगा ।

A. अपठित
B. अपभ्रंश
C. मौलिक
D. अपठनीय

Ans. A

Sol. 'बिना पढ़ा हुआ अंश' वाक्यांश के लिए शब्द होगा अपठित। अपठित जिसका अर्थ है- बिना पढ़ा हुआ या बिना देखा हुआ। इस प्रकार अपठित से अभिप्राय गद्य या पद्य के एक ऐसे अवतरण से है जिसे पहले देखा या पढ़ा न गया हो अर्थात् वह सर्वथा नया हो।

85. निर्देश: नीचे लिखे वाक्य के लिए एक शब्द बताइए:

वाचाल कहते है –

A. जो जल्दी चलता है
B. जिसकी चाल ठीक न हो
C. जो बहुत बोलता हो
D. जो चुप रहता है

Ans. C

Sol. **वाचाल** का अर्थ है, जो बहुत बोलता हो।

एकार्थी शब्द का अर्थ: जिन शब्दों का प्रयोग अनेक शब्दो के स्थान पर किया जाए ,उन शब्दों को एकार्थी शब्द कहलाते है।

86. "कहना मान लेते तो पास हो जाते" अर्थ के आधार पर वाक्य हैं?

A. एच्छावाचक वाक्य
B. आज्ञावाचक वाक्य
C. संकेतवाचक वाक्य
D. संदेहवाचक वाक्य

Ans. C

Sol. संकेतवाचक - वे वाक्य जिनसे हमें एक क्रिया का दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध हो, ऐसे वाक्य संकेतवाचक वाक्य कहलाते हैं।

कहना मान लेते तो पास हो जाते - कहना मान लेते वाक्य में संकेत दे रहा है की ऐसा करते तो ऐसा होता अतः वाक्य संकेत वाचक वाक्य है।

एच्छावाचक -ऐसे वाक्य जिनसे हमें वक्ता की कोई इच्छा, कामना, आकांशा, आशीर्वाद आदि का बोध हो, वह वाक्य इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं।

आज्ञावाचक - ऐसे वाक्य जिनमें आदेश, आज्ञा या अनुमति का पता चले या बोध हो, वे वाक्य आज्ञावाचक वाक्य कहलाते हैं।

87. निम्न में से कौन सा युग्म गलत है?

A. अँगूठा छाप - अनपढ़ व्यक्ति

B. खून-पसीना एक करना - अधिक परिश्रम करना

C. जौहर दिखाना – आग में जल जाना

D. घर घाट एक करना - कठिन परिश्रम करना

Ans. C

Sol. मुहावरे - मुहावरो का अर्थ है- अभ्यास। मुहावरा अतिसंक्षिप्त रूप में होते हुए भी बड़े भाव या विचार को प्रकट करता है। दिए गए विकल्पों में से जौहर दिखाना मुहावरे का अर्थ गलत है।

जौहर दिखाना मुहावरे का सही अर्थ – **बहादुरी दिखाना** होता है अन्य मुहावरे का अर्थ सही है।

88. "**खून सुख जाना**" मुहावरे का क्या अर्थ है?

A. भयभीत हो जाना

B. कमजोर हो जाना

C. कड़ी मेहनत करना

D. भला बुरा सुनना

Ans. A

Sol. मुहावरे - मुहावरे का शाब्दिक अर्थ होता है - अभ्यास। विशेष अर्थ को प्रकट करने वाले वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं।

खून सुख जाना मुहावरे का अर्थ - भयभीत हो जाना

अन्य विकल्प मुहावरे के लिए उपयोक्त नहीं है।

89. निम्न में से मुहावरे का सही अर्थ है?

"**गंगा लाभ होना**"

A. तुच्छ लाभ होना

B. धोके से कमाना

C. लाभ होना

D. मर जाना

Ans. D

Sol. मुहावरे- मुहावरे का शाब्दिक अर्थ होता है - अभ्यास। विशेष अर्थ को प्रकट करने वाले वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं।

गंगा लाभ होना मुहावरे का अर्थ - मर जाना

वाक्य प्रयोग - राम ने पिता की अस्थियों को गंगाजी में विसर्जित करके उन्हें मृत्यु पश्चातगंगा लाभ दिया

अन्य मुहावरों के अर्थ -

लाभ होना - गोटी लाल होना

सहज काम - गुड़ियों का खेल

90. लोकोक्ति का सही अर्थ दीजिए-

"आँख के अंधे गाँठ के पूरे"

A. नाम के विपरीत गुण
B. हर तरफ मुसीबत
C. मूर्ख किंतु धनी
D. सब एक जैसे हैं

Ans. C

Sol. मुहावरे- मुहावरे का शाब्दिक अर्थ होता है - अभ्यास। विशेष अर्थ को प्रकट करने वाले वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं।

प्रश्न में दिए गए लोकोक्तियाँ/कहावते 'आँख के अंधे गाँठ के पूरे' कहावतें का सही अर्थ है- 'मूर्ख किन्तु धनी'।

उदाहरण के लिए - आजकल आँख के अंधे गाँठ के पूरे व्यक्ति मुकदमेबाजी अधिक करते है।

कहावते - आँख का अंधा नाम नयनसुख

अर्थ - नाम के विपरीत गुण

कहावते - इधर कुआँ उधर खाई

अर्थ - हर तरफ मुसीबत

कहावते - एक टकसाल के ढले हैं

अर्थ - सब एक जैसे हैं

91. लोकोक्ति और उसके अर्थ के जोड़े में से कौन-सा जोड़ा गलत है?

A. आँख का अंधा नाम नयनसुख - नाम के प्रतिकूल कार्य करना

B. अक्ल बड़ी या भैंस - बल की अपेक्षा बुद्धि अधिक शक्तिशाली होती है

C. उल्टा चोर कोतवाल को डांटे - अपना दोष किसी दूसरे के ऊपर मढ़ना

D. आ बैल मुझे मार - बैल को मारना

Ans. D

Sol. लोकोक्ति शब्द दो शब्दो से मिलकर बना है - लोक +उक्ति। ऐसी उक्ति जो किसी क्षेत्र विशेष में किसी विशेष अर्थ की ओर संकेत करती है लोकोक्ति कहलाती है।

आ बैल मुझे मार - बैल को मारना जोड़ा गलत है। आ बैल मुझे मार का अर्थ है खुद हीं समस्याओं को निमंत्रण देना होता है।

92. 'कलेजा निकाल कर रख देना' – मुहावरे का अर्थ क्या है?

A. हृदय पर गहरा आघात पहुँचना
B. कलेजा बहार निकाल देना
C. हृदय की बात कहना
D. हृदय रोग से पीड़ित

Ans. C

Sol. विशेष अर्थ को प्रकट करने वाले वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं। अत: कलेजा निकाल कर रख देना एक प्रचलित हिन्दी मुहावरा है। मुहावरे का अर्थ - हृदय की बात कहना

वाक्य प्रयोग - राहुल ने अपनी प्रेमिका के समक्ष कलेजा निकालकर रख दिया

93. **"कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली"** मुहावरे का सही अर्थ है।

A. राजा और गंगू तेली की तुलना
B. जमीं और असमान की तुलना
C. अत्यधिक अंतर
D. कम अंतर की बात

Ans. C

Sol. मुहावरे - मुहावरे का शाब्दिक अर्थ होता है - अभ्यास। विशेष अर्थ को प्रकट करने वाले वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं।

कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली मुहावरे का अर्थ - अत्यधिक अंतर होता है।

अन्य विकल्प मुहावरे के लिए उपयोक्त नहीं है।

94. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा गलत है?

A. तूती बोलना - बोलबाला होना
B. थर्रा उठना - ज्यादा बोलना
C. लोहा लेना - सामना करना
D. दरार पड़ना - मतभेद पैदा होना
E. इनमें से कोई नहीं

Ans. B

Sol. मुहावरे का अर्थ होता है - अभ्यास। विशेष अर्थ को प्रकट करने वाले वाक्यों को मुहावरा कहते हैं

निम्नलिखित युग्मों में से "**थर्रा उठना - ज्यादा बोलना**" गलत मुहावरा है।

सही मुहावरा -

"**थर्रा उठना - अत्यंत भयभीत होना**" अन्य मुहावरों का युग्म सही है।

दरार पड़ना - मतभेद पैदा होना

लोहा लेना - सामना करना

तूती बोलना - बोलबाला होना

95. 'आशा ' का विलोम क्या है?

A. उम्मीद
B. भरोसा
C. आस
D. निराशा

Ans. D

Sol. एक- दूसरे से विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द 'विलोम' कहलाते हैं। अत: प्रकट रूप से 'आशा ' का विलोम 'निराशा' है।

आशा का अर्थ - किसी कार्य या बात के पूर्ण हो जाने की उम्मीद तथा निराशा का अर्थ - आशा का अभाव, आशा का विपरीत या उल्टा अर्थ निराशा से प्राप्त होता है।

अन्य शब्द जो आशा के पर्यायवाची है - उम्मीद , भरोसा, आस आदि।

96. निम्न लिखित दिए गए शब्दों में 'धन' का पर्यायवाची शब्द कौन सा नहीं है।

A. द्रव्य
B. द्रव
C. सम्पदा
D. दौलत

Ans. B

Sol. 'द्रव', 'धन' का पर्यायवाची शब्द नहीं है। द्रव शब्द का अर्थ बहने वाले पदार्थों से या जल से होता है। जबकि दौलत, संपत्ति, सम्पदा, वित्त, लक्ष्मी, अर्थ, द्रव्य सभी धन के पर्यायवाची शब्द है।

97. **निर्देश**: अधोलिखित शब्दों के विलोम के लिए चार विकल्प दिए हैं। उनमें से उचित विकल्प चुनिए

'आचार'

A. आनाचार
B. अनाचार
C. अत्याचार
D. विचार

Ans. B

Sol. 'आचार' का विलोम शब्द'अनाचार' है। किसी शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द को विलोम शब्द कहते हैं।

उदाहरण ; रात-दिन

98. 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द चुनिए:

A. निशाकर
B. निशाचर
C. तरणि
D. कृशानु

Ans. A

Sol. जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहते है।

'चन्द्रमा' के पर्यायवाची शब्द - हिमकर, हिमांशु, निशाकर, क्षपानाथ, चन्द्रमा, चन्द्र, निशिपति आदि है।

99. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द '**कमल**' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

A. सरोज
B. अरविन्द
C. सलिल
D. पंकज

Ans. C

Sol. 'सलिल' को छोड़कर सभी शब्द 'कमल' के पर्यायवाची शब्द हैं। 'सलिल' पानी का पर्यायवाची शब्द है।

पर्यायवाची शब्द का अर्थ :ऐसे शब्द जिनके अर्थ समान हों, पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

सलिल का पर्यायवाची - जल, वारि, नीर, तोय, अम्बु, उदक, पानी

100. 'अत्यधिक' का विलोम क्या है?

A. अनधिगत
B. अत्यल्प
C. अत्याधिक
D. अनधीन

Ans. B

Sol. किसी शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम कहते है। अतः विलोम का अर्थ है - उल्टा या विरोधी अर्थ देने वाला ।

अतः 'अत्यधिक' का विलोम "अत्यल्प" होगा।

अत्यधिक का अर्थ - प्रचुर, ज़रूरत से ज़्यादा

अत्यल्प का अर्थ - बहुत कम

अत्यधिक का विपरीत अर्थ अत्यल्प द्वारा प्रकट होता है अतः अत्यधिक का विलोम अत्यल्प होगा ।

****